गणेश चतुर्थी में गणेश जी की आरती (Ganesh Chaturthi

गणेश चतुर्थी में गणेश जी की आरती (Ganesh Chaturthi
me ganesh ji ki aarti)
गणेश उत्सव मे सर्वमान्य श्री गणेश आरती का अपना अलग ही महत्व है: वमान्य श्री गणेश आरती का अपना अलग ही महत्व है:

जय गणेश जय गणेश,
जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥

एक दंत दयावंत,
चार भुजा धारी ।
माथे सिंदूर सोहे
ंदूर सोहे,
मूसे की सवारी ॥

जय गणेश जय गणेश,
जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥

पान चढ़े फल चढ़े
े,
और चढ़े मेवा ।ेमेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे,
संत करें सेवा ॥

जय गणेश जय गणेश,
जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥

अंधन को आंख देत,
कोढ़िन को काया ।न को काया ।
बांझन को पुत्र देत,
निर्धन को माया ॥धन को माया ॥

जय गणेश जय गणेश,

जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥

'सूर' श्याम शरण आए,
सफल कीजे सेवा ।
माता जाकी पार्वतीती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥

जय गणेश जय गणेश,
जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥

----- Additional -----
दीनन की लाज रखो,
शंभु सुतकारी ।
कामना को पूर्ण करो
करो,
जाऊंबलिहारी ॥

हारी ॥

जय गणेश जय गणेश,
जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वतीवती,
पिता महादेवा ॥ता महादेवा ॥